



प्रेस विज्ञप्ति / Press Release

30 अप्रैल / April, 2021

सिडबी ने कोविड तैयारियों के लिए त्वरित ऋण सुपुर्दगी हेतु श्वास और आरोग योजनाएं शुरू की

SIDBI launches quick delivery schemes SHWAS & AROG for COVID preparedness

आवश्यक वित्तीय सहायता के साथ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों ((एमएसएमई) की सहायता करने के लिए, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) जो सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के संवर्धन, वित्तपोषण और विकास में संलग्न शीर्ष वित्तीय संस्था है, ने श्वास (कोविड19 की दूसरी लहर के खिलाफ युद्ध में हेल्थकेयर क्षेत्र में सिडबी की सहायता) और आरोग (कोविड19 महामारी के दौरान एमएसएमई इकाइयों की रिकवरी और संवृद्धि के लिए सिडबी सहायता) दो त्वरित ऋण सुपुर्दगी हेतु नयी योजनाओं का शुभारंभ किया है। यह योजना भारत सरकार के मार्ग दर्शन में तैयार की गयी है जो ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटरस, ऑक्सीमीटर और आवश्यक दवाओं की आपूर्ति से संबंधित उत्पादन को बढ़ाने और सेवाओं उपलब्ध कराने की सुविधा प्रदान करती है।

To help the Micro, Small and Medium Enterprises (MSMEs) with required financial support, Small Industries Development Bank of India (SIDBI), the principal financial institution engaged in the promotion, financing and development of Micro, Small and Medium Enterprises (MSMEs), has launched SHWAS (SIDBI assistance to Healthcare sector in War Against Second wave of COVID19) and AROG (SIDBI Assistance to MSMEs for Recovery & Organic Growth during COVID19 pandemic), two new quick credit delivery schemes. The schemes are devised under the guidance from Government of India (GoI) which facilitates funding for production and services related to supply of oxygen cylinders, oxygen concentrators, oximeters and essential drugs.

देश में कोविड -19 की दूसरी लहर के बड़े पैमाने पर बढ़ने से देश के स्वास्थ्य ढांचे पर अभूतपूर्व बोझ पड़ा है। भारत सरकार ने अस्पतालों में ऑक्सीजन और आवश्यक दवाओं की

आपूर्ति को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सिडबी इस स्थिति में अपनी नयी पहलों से योगदान करे ताकि एमएसएमई इकाइयों की मदद हो सके और वे शीघ्रता से अपनी सुविधाओं का विस्तार करें जिससे देश को महामारी से लड़ने में सहायता मिल सके।

Second wave / massive resurgence of Covid-19 in the country has led to unprecedented burden on health infrastructure of the country. Govt has taken numerous steps to step up supply of oxygen and essential drugs to hospitals. To ensure that SIDBI does its bit to contribute in this situation, new initiatives are being launched for helping MSMEs quickly augment their facilities which help the nation in augmenting capabilities to fight the pandemic.

इस अवसर पर, सिडबी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ने कहा, “हमारा प्रयास है कि पात्र एमएसएमई इकाइयां जो इस संकट की घड़ी में नागरिकों की मदद के लिये समस्त स्तरों पर स्वास्थ्य परक सेवाओं को उपलब्ध कराने के लिए अपने परिचालन को कायम रखी हुई हैं, उन्हें ऋण सुविधा उपलब्ध हो।”

On this occasion, Chairman and Managing Director of SIDBI said, “The endeavour is to provide credit facilities to deserving MSMEs that have risen to the occasion in helping the citizens in this hour of need by keeping their activities operational and providing healthcare at all levels.”

कोविड -19 से उत्पन्न वर्तमान संकट और राष्ट्रीय आपात स्थिति को देखते हुए सिडबी ने नयी योजनाओं को तैयार किया है ताकि स्वास्थ्य देखभाल सेवा प्रदाताओं को महामारी से लड़ने में मदद की जा सके । इन योजनाओं में सभी दस्तावेजों / सूचनाओं के प्राप्त होने के 48 घंटे के भीतर 4.50% -6% प्रति वर्ष की आकर्षक ब्याज दर पर एमएसएमई इकाइयों को 2 करोड़ रुपये की राशि तक 100% वित्त पोषण की परिकल्पना की गई है। योजनाओं का विवरण हमारी वेबसाइट www.sidbi.in पर उपलब्ध है।

SIDBI, considering the current distress caused by COVID 19 and being a national emergency, has devised these schemes to cater to help assist healthcare service providers fight against the pandemic. These schemes envisage 100% funding up to an amount of Rs. 2 crore to a MSME unit at attractive interest rate of 4.50%-6% p.a., within 48 hours after receipt of all the documents / information. Details of the schemes are available on our website www.sidbi.in.

मार्च 25, 2020 को, सिडबी ने कोरोना वायरस के खिलाफ आपातकालीन प्रतिक्रिया को सुगम बनाने के लिए सेफ नामक योजना की भी शुरुआत की थी। यह योजना उन सभी एमएसएमई इकाइयों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए थी जो कोरोना वायरस से लड़ने से संबंधित किसी भी उत्पाद का निर्माण कर रहे हों (जैसे हैंड सैनिटाइजर, मास्क), बॉडी सूट, वेंटिलेटर, टेस्टिंग

लैब, आदि)। वित्तीय वर्ष 2021 में कोविड19 से लड़ने के लिए उत्पादों का उत्पादन करने वाली 400 से अधिक एमएसएमई इकाइयों को सेफ के तहत (कुल 178 करोड़ रुपये की राशि) की वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई है।

On March 25, 2020, SIDBI had also launched SIDBI Assistance to Facilitate Emergency response against corona virus (SAFE) scheme to provide financial support to all MSMEs engaged in manufacturing of any product or providing any services which are related to fighting Corona virus (such as, hand sanitizers, masks, body suits, ventilators, testing labs, etc.). More than 400 MSME units producing products to fight Covid-19 have been sanctioned financial assistance under SAFE (total amount of Rs. 178 crore) in FY 2021.

सिडबी के बारे में: 1990 में अपने गठन के बाद से सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों पर नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न ऋण और विकासात्मक उपायों के माध्यम से सूक्ष्म और लघु उद्यमियों (एमएसई) के जीवन को छुआ है, चाहे ये पारंपरिक व घरेलू छोटे उद्यमी हों; उद्यमिता पिरामिड के निम्नतम स्तर के उद्यमी हों अथवा उच्चतम स्तर के ज्ञान-आधारित उद्यमी हों। सिडबी 2.0 अपने साथ समावेशी, अभिनव और प्रभाव-उन्मुख संबद्धताओं की दृष्टि को लेकर चल रहा है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट <https://www.sidbi.in> पर जाएँ।

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental engagements. SIDBI 2.0 carries the vision of inclusive, innovative and impact-oriented engagements.

To know more, check out: <https://www.sidbi.in>